ज्ञान शांति मैत्री

आज़ादी का अमृत महोत्सव

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(ACentral University Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्तAccredited with 'A' Grade by NAAC

क़ादर नवाज़ ख़ान
कुलसचिव (कार्यवाहक)
Kadar Nawaz Khan
Registrar (Acting)

दूरभाष/Phone : +91-7152-230902

फा. क्र. 016/विभिन्न विषयों में साहित्यिक आयोजन कार्यक्रम/2025-26/01/1487
दिनांक : 06/01/2025

सूचना

समस्त शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत हिंदी साहित्य विभाग द्वारा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) तथा उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में **'भारतीय साहित्य में एकात्मता' (हिंदी एवं भारतीय भाषा–साहित्य महोत्सव)** विषय पर त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक **08, 09 एवं 10 जनवरी, 2026** को अपराह्न 03:00 बजे से कस्तूरबा सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति **प्रो. कुमुद शर्मा** द्वारा की जाएगी।

'भारतीय साहित्य में एकात्मता'(हिंदी एवं भारतीय भाषा–साहित्य महोत्सव) विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के **उद्घाटन सत्र** में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

क़ादर नवाज़
(क़ादर नवाज़ ख़ान)
06/01/25

प्रति (ई-मेल द्वारा) समस्त शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी।
प्रतिलिपि (ई-मेल द्वारा):

1. कुलपति कार्यालय
2. समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष,
3. अकादमिक निदेशक, क्षेत्रीय निदेशक, प्रयागराज
4. प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता
5. प्रभारी, सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर
6. वित्ताधिकारी
7. परीक्षा विभाग
8. प्रभारी लीला, वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
9. संबंधित पत्रावली

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
एवं
उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

संरक्षक
प्रो कुमुद शर्मा
माननीय कुलपति

त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
(8, 9 एवं 10 जनवरी, 2026)

उद्घाटन सत्र

दिनांक : 8 जनवरी, 2026 (गुरुवार)
अपराह्न 3:00 से 5:00 बजे तक
स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : भारतीय साहित्य में एकात्मता (हिंदी एवं भारतीय भाषा-साहित्य महोत्सव)

अध्यक्षता	:	प्रो कुमुद शर्मा, माननीय कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
सारस्वत अतिथि	:	प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी, कुलाधिपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
सारस्वत अतिथि	:	प्रो. सुरेन्द्र दुबे, उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
सारस्वत अतिथि	:	श्री अनंत विजय, चिंतक एवं वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली
विषय प्रस्तावना	:	डॉ. अमिता दुबे, प्रधान संपादक, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
स्वागत एवं संचालन	:	प्रो. अवधेश कुमार, अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा
धन्यवाद ज्ञापन	:	डॉ. सुनील कुमार, सहायक प्रोफेसर, हिंदी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

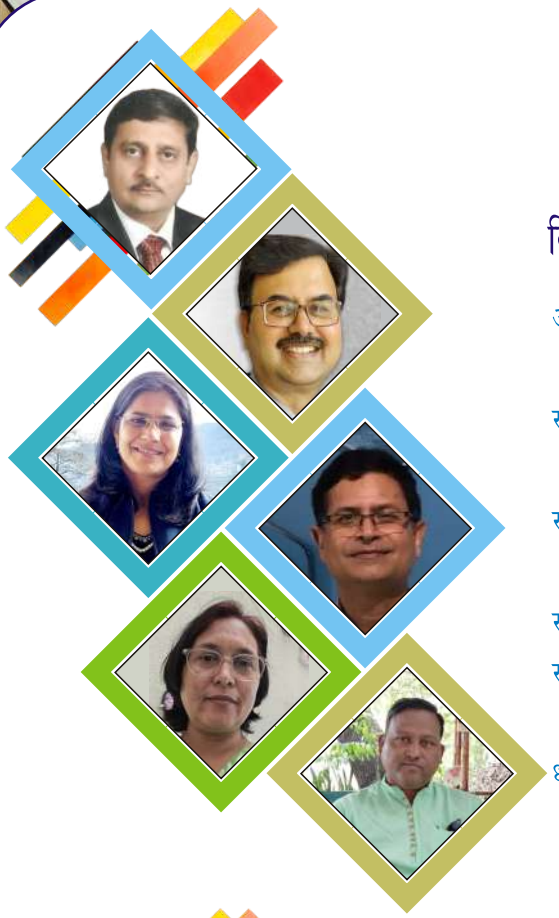

प्रथम सत्र

दिनांक : 9 जनवरी, 2026 (शुक्रवार)
पूर्वाह्न 10:30 से अपराह्न 1:00 बजे तक
स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : 21वीं सदी में तकनीक का विस्तार और हिंदी की उपस्थिति

अध्यक्षता : डॉ. भूषण भावे, सुविख्यात कोंकणी लेखक, गोवा
प्राचार्य, विद्या प्रबोधिनी महाविद्यालय, पर्वरी, गोवा

सारस्वत अतिथि : प्रो. बालेन्दु शर्मा दाधीच, गुड़गाँव, हरियाणा
दुबई, हिंदी एवं तकनीकी विशेषज्ञ, माइक्रोसॉफ्ट

सारस्वत अतिथि : प्रो. पूनम कुमारी, प्रोफेसर हिंदी
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

सारस्वत अतिथि : डॉ. सुधीर कुमार मिश्र, संयुक्त निदेशक, सी-डैक, पुणे

संचालन : डॉ. हर्षलता पेटकर, सहायक प्रोफेसर
भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. कोमलकुमार परदेशी, सहायक प्रोफेसर
हिंदी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

द्वितीय सत्र

दिनांक : 9 जनवरी, 2026 (शुक्रवार)
अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे तक
स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : भारतीय साहित्य : अन्तर्संबंध और वैशिष्ट्य

अध्यक्षता : डॉ. क्षमा कौल, सुविख्यात हिंदी एवं कश्मीरी लेखिका

मुख्य अतिथि : डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, सुविख्यात लेखक, कोलकाता

सारस्वत अतिथि : प्रो. गिरीश नाथ झा, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ संस्कृत एवं इन्डिक स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली

सारस्वत अतिथि : डॉ. शैलेन्द्र मोहन, निदेशक, केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर

सारस्वत अतिथि : प्रो. आर.एस. सर्राजु, प्रसिद्ध लेखक, आलोचक एवं अनुवादक, हैदराबाद

सारस्वत अतिथि : प्रो. किरण हजारिका, सुविख्यात असमिया लेखक
प्रतिकुलपति, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा

संचालन : डॉ. मीरा निचले, सहायक प्रोफेसर
अनुवाद अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. रूपेश कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर
हिंदी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

तृतीय सत्र

दिनांक : 10 जनवरी, 2026 (शनिवार)
पूर्वाह्न 10:30 से अपराह्न 1:00 बजे तक
स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी

अध्यक्षता : प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

मुख्य अतिथि : श्री हिदेआकि इशिदा, प्रोफेसर इमिरेट्स, दाइतो बुन्का विश्वविद्यालय, जापान

सारस्वत अतिथि : डॉ. इन्दिरा गाजिएवा, प्राध्यापिका हिंदी, रशियन स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर द ह्यूमेनिटीज़, मास्को, रूस

सारस्वत अतिथि : डॉ. निकोला बुआँ प्रैंसीपातो, एडजंक्ट प्रोफेसर ऑफ साउथ एशियन सिविलाइजेशन : संस्कृत कल्चर इनाल्को, पेरिस, फ्रांस

सारस्वत अतिथि : श्री छ सलोङ, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग निदेशक, इंडियन कम्युनिकेशन सेंटर, द कम्युनिकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ चाइना, बीजिंग, चीन

संचालन : डॉ. राकेश कुमार मिश्र, अध्यक्ष गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. संदीप मधुकर सपकाले, सहायक प्रोफेसर मराठी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

सम्पूर्ति सत्र

दिनांक : 10 जनवरी, 2026 (शनिवार)
अपराह्न 3:30 से 5:30 बजे तक
स्थान : कस्तूरबा सभागार

अध्यक्षता : प्रो. कुमुद शर्मा, माननीय कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

सारस्वत अतिथि : प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री, पूर्व कुलपति हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

सारस्वत अतिथि : प्रो. सच्चिदानंद जोशी, सदस्य सचिव इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली

सारस्वत अतिथि : प्रो. हितेन्द्र मिश्र, निदेशक केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली

सारस्वत अतिथि : डॉ. अमिता दुबे, प्रधान संपादक उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

संचालन : डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी, एसोशिएट प्रोफेसर हिंदी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

धन्यवाद ज्ञापन : प्रो. प्रीति सागर, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

(8, 9 एवं 10 जनवरी, 2026)

विषय : भारतीय साहित्य में एकात्मता (हिंदी एवं भारतीय भाषा-साहित्य महोत्सव)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय (8, 9 एवं 10 जनवरी, 2026) अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वर्धा में किया जा रहा है। इसमें उद्घाटन और सम्पूर्ति सत्र के अतिरिक्त तीन अकादमिक सत्र एवं दिनांक 9 जनवरी, 2026 को समानांतर सत्र भी होंगे। अकादमिक सत्रों के मुख्य विषय निम्नवत हैं-

1. 21वीं सदी में तकनीक का विस्तार और हिंदी की उपस्थिति
2. भारतीय साहित्य : अन्तर्संबंध और वैशिष्ट्य
3. वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी

संगोष्ठी का उद्देश्य :

इस त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय साहित्य की एकात्मकता की पहचान करना, भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंधों की विवेचना करना, भारतीय साहित्य में भारतीयता एवं भारत-बोध की संकल्पना को परिलक्षित करना तथा भारतीय साहित्य में भारतीय ज्ञान परंपरा का आलोड़न-विलोड़न करना है। इस संगोष्ठी में वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी की उपस्थिति, उसकी संभावनाओं (तकनीक सहित) एवं चुनौतियों पर विचार करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में अंग्रेजी भाषा की तुलना में भारतीय भाषाओं की महत्ता को गहराई से प्रतिपादित किया गया है, उसके आलोक में भारतीय भाषाओं के नए पहलुओं एवं भारतीय भाषा परिवार पर भी गहराई से विचार करना इस संगोष्ठी का उद्देश्य है।

पंजीयन शुल्क :

1. शिक्षकों के लिए रु. 1000/- (एक हजार रुपये मात्र)
2. शोधार्थियों के लिए रु. 500/- (पाँच सौ रुपये मात्र)

नोट : पंजीयन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 जनवरी, 2026 को दोपहर 12.00 बजे तक।

ऑनलाइन शुल्क भेजने का विवरण इस प्रकार है -

Account Holder's Name	:	Finance Officer, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
Bank Name	:	Bank of India, Wardha
Account No.	:	972110210000005
IFSC Code No.	:	BKID 0009721
MICR Code No.	:	442013003

boism-9527052003@boi

Payment Through Any UPI App Accepted Here

UPI | BHIM

त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

(8, 9 एवं 10 जनवरी, 2026)

उद्घाटन सत्र

दिनांक 8 जनवरी, 2026, गुरुवार (अपराह्न 3:00 से 5:00 बजे तक)

स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : भारतीय साहित्य में एकात्मता (हिंदी एवं भारतीय भाषा-साहित्य महोत्सव)

उपविषय :

1. हिंदी और संस्कृत साहित्य में एकात्मकता
2. हिंदी और दक्षिण भारत के साहित्य में एकात्मकता
3. हिंदी और पूर्वोत्तर भारत के साहित्य में एकात्मकता
4. हिंदी और पश्चिमोत्तर भारत के साहित्य में एकात्मकता
5. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य में एकात्मकता
6. आधुनिक हिंदी साहित्य और एकात्मकता
7. आधुनिक हिंदी साहित्य में एकात्मकता
8. मध्य भारत के साहित्य में एकात्मकता

प्रथम सत्र

दिनांक 9 जनवरी, 2026, शुक्रवार (पूर्वाह्न 10:30 से अपराह्न 1:00 बजे तक)

स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : 21वीं सदी में तकनीक का विस्तार और हिंदी की उपस्थिति

उपविषय :

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ
2. कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सर्जनात्मकता
3. कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भाषा कौशल एवं भाषा व्यवहार
4. कृत्रिम बुद्धिमत्ता : भाषिक परिवर्तन की संभावनाएँ
5. कृत्रिम बुद्धिमत्ता में हिंदी बोलियों की दशा एवं दिशा
6. हिंदी एवं प्राम्ट अभियांत्रिकी
7. सोशल मीडिया और हिंदी
8. सिनेमा और हिंदी
9. विज्ञापन और हिंदी
10. ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म और हिंदी

द्वितीय सत्र

दिनांक 9 जनवरी, 2026, शुक्रवार (अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे तक)

स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : भारतीय साहित्य : अन्तर्संबंध और वैशिष्ट्य

उपविषय :

1. भारतीय साहित्य में अन्तर्संबंध के सूत्र
2. भारतीय साहित्य और हिंदी
3. भक्ति आंदोलन का भारतीय साहित्य
4. स्वाधीनता आंदोलन का भारतीय साहित्य
5. समकालीन भारतीय साहित्य : अभिव्यक्ति के विभिन्न स्वर
6. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब
7. भारतीय साहित्य में भारतीयता का स्वरूप
8. भारतीय साहित्य और भारतबोध

तृतीय सत्र

दिनांक 10 जनवरी, 2026, शनिवार (पूर्वाह्न 10:30 से अपराह्न 1:00 बजे तक)

स्थान : कस्तूरबा सभागार

विषय : वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी

उपविषय :

1. गिरमिटिया देशों में हिंदी
2. यूरोपीय देशों में हिंदी
3. एशिया महाद्वीप में हिंदी
4. वैश्विक स्तर पर हिंदी की स्थिति एवं संभावनाएँ
5. दक्षेस देशों में हिंदी
6. समकालीन प्रवासन और हिंदी
7. भारतीय साहित्य और अनुवाद

सम्पूर्ति सत्र

दिनांक 10 जनवरी, 2026, शनिवार (अपराह्न 3:30 से 5:30 बजे तक)

स्थान : कस्तूरबा सभागार

उपविषय :

1. भारतीय साहित्य और भारतबोध
2. भारतीय साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा
3. भारतीय साहित्य में लोक
4. भारतीय साहित्य और अन्य ज्ञानानुशासन
5. भारतीय साहित्य और विश्वबोध
6. भारतीय साहित्य में नीति एवं नैतिकता का बोध
7. भारतीय साहित्य में ज्ञान, कौशल, आचरण एवं भारतीय मान्य व्यवस्थाएँ
8. हिंदी के साथ-साथ भारतीय साहित्य में सांस्कृतिक बोध
9. भारतीय साहित्य का दार्शनिक आधार

संगोष्ठी संयोजक : प्रो. अवधेश कुमार
अधिष्ठाता, साहित्य विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, मो. 9926394707

सह-संयोजक : डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी
एसोशिएट प्रोफेसर, हिंदी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, मो. 8668832596

सह-संयोजक : डॉ. सुनील कुमार
सहायक प्रोफेसर, हिंदी साहित्य विभाग, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा, मो. 9552733202

विश्वविद्यालय का परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई है। यह अखिल भारतीय अधिकारिता का पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय है जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मस्थली - वर्धा (नागपुर-मुंबई हाईवे) पर अवस्थित है और यह 212 एकड़ क्षेत्रफल में विस्तृत है। प्रयागराज (उत्तर प्रदेश), कोलकाता (पश्चिम बंगाल) एवं रिद्धपुर (जिला - अमरावती, महाराष्ट्र) में विश्वविद्यालय के केंद्र हैं। यह विश्वविद्यालय नियमित शैक्षणिक अनुसंधान कार्यक्रमों के अतिरिक्त दूर शिक्षा कार्यक्रम भी संचालित करता है।

उद्देश्य : विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 4 में उद्देश्य का उल्लेख है कि साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएँ प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययन और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएँ प्रदान करना; हिंदी को कार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद एवं निर्वचन और भाषाविज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना है।